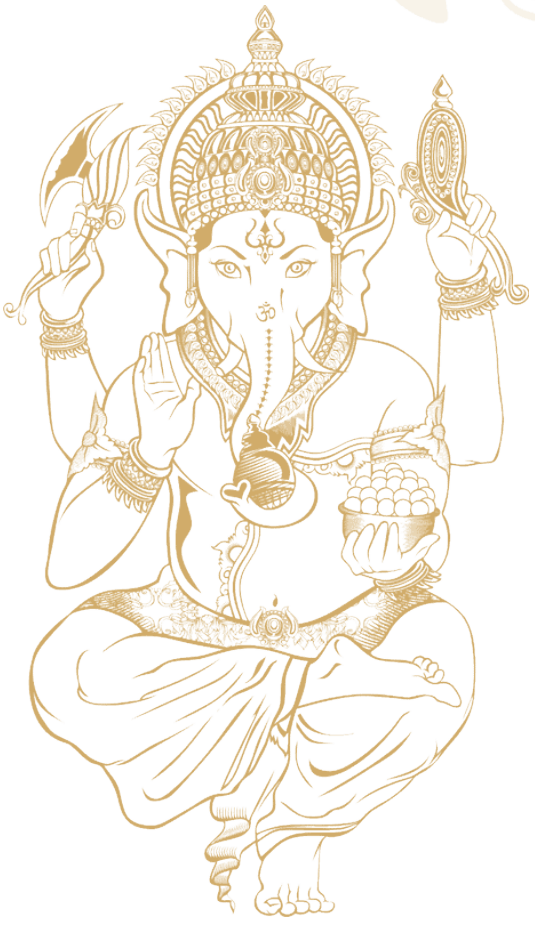

Gopal Garima

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121025203

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
31/05/1994	जन्म तिथि	13/06/1999
मंगलवार	दिन	रविवार
घंटे 17:05:00	जन्म समय	10:30:00 घंटे
घटी 29:12:06	जन्म समय(घटी)	12:47:51 घटी
India	देश	India
Sonipat	स्थान	Gohana
28:59:00 उत्तर	अक्षांश	29:06:00 उत्तर
77:01:00 पूर्व	रेखांश	76:43:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:56	स्थानिक संस्कार	-00:23:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:24:09	सूर्योदय	05:23:47
19:15:12	सूर्यास्त	19:22:26
23:46:58	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:45

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 16वर्ष 1मा 3दि		19:11:49	तुला	लग्न	सिंह	03:43:42	चन्द्र 2वर्ष 9मा 20दि	
गुरु		16:00:30	वृष	सूर्य	वृष	27:55:26	राहु	
04/07/2010		08:04:48	कुंभ	चंद्र	वृष	19:35:29	03/04/2009	
04/07/2026		11:51:23	मेष	मंगल	तुला	01:06:48	03/04/2027	
गुरु	21/08/2012	09:01:45	मिथु	बुध	मिथु	17:25:26	राहु	15/12/2011
शनि	04/03/2015	12:26:48	तुला व	गुरु	मेष	03:31:38	गुरु	10/05/2014
बुध	09/06/2017	18:40:39	मिथु	शुक्र	कर्क	13:15:38	शनि	16/03/2017
केतु	16/05/2018	18:11:53	कुंभ	शनि	मेष	18:35:06	बुध	03/10/2019
शुक्र	14/01/2021	29:54:43	तुला व	राहु व	कर्क	20:22:17	केतु	20/10/2020
सूर्य	02/11/2021	29:54:43	मेष व	केतु व	मक	20:22:17	शुक्र	21/10/2023
चन्द्र	04/03/2023	02:11:16	मक व	हर्ष व	मक	22:45:02	सूर्य	14/09/2024
मंगल	08/02/2024	29:14:00	धनु व	नेप व	मक	10:10:04	चन्द्र	16/03/2026
राहु	04/07/2026	02:32:13	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	14:55:48	मंगल	03/04/2027

लग्न-चलित

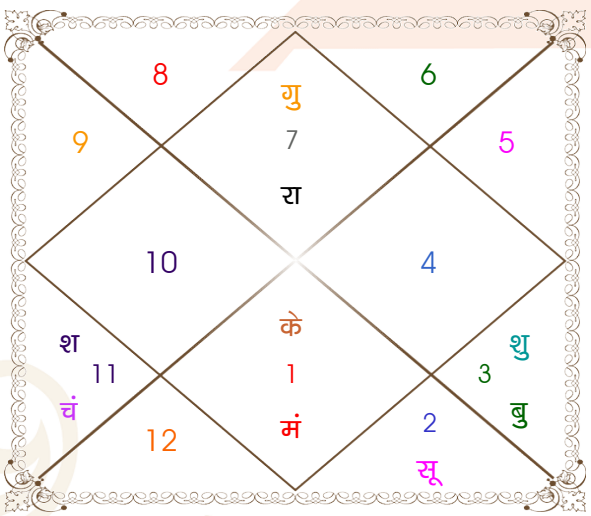

लग्न-चलित

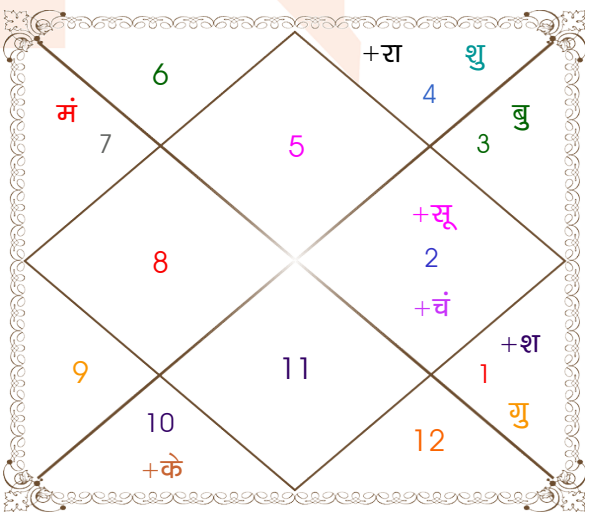

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	अश्व	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.50		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

Gopal का वर्ग मार्जार है तथा Garima का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Gopal और Garima का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Gopal मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल Gopal कि कुण्डली में सप्तम् भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि Gopal कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Garima मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Garima कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Gopal तथा Garima में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।